भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनसुन्धान संस्थान,

खण्डवा रोड, इंदौर-452001

फाइल क्रमाकं : प्रेस एवं पब्लिसिटी/प्रेस नोट/2022/8

भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर द्वारा पंजाब और हरियाणा की संस्थानों को बड़ी सौग़ात

इंदौर, मध्य प्रदेश - भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर सोया किसानों को सोयाबीन से जुड़ी नवीन तकनीको द्वारा लाभ पहुँचाने के लिए सतत प्रयास कर रहा है, इसी लक्ष्य के निर्वाहन हेतु संस्थान की कार्यवाहक निदेशक डॉ नीता खांडेकर द्वारा पंजाब और हरियाणा का दौरा किया गया। अखिल भारतीय समन्वित सोयाबीन अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत कार्यरत पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के डॉ बी.एस. गिल ने बताया की पी.ए.यू., लुधियाना एवं राज्य सरकार ने साथ मिलकर 2015 - 2017 तक सोयाबीन की उन्नत खेती का प्रदर्शन करवाया, परंतु उचित विपणन के अभाव में इसका विस्तार सुचारु रूप से नहीं हो पाया। इस समस्या के निराकरण एवं भविष में सोयाबीन के रकबे को बढ़ाने हेतु डॉ नीता खांडेकर ने बताया कि – पंजाब सोयाबीन खाद्य उत्पादन में पूरे देश में सर्वप्रथम है, जिसके लिए सोयाबीन राजस्थान/मध्य प्रदेश से लाया जाता है। यदि किसानों को इन इकाइयों से जोड़ा जा सके, तो विपणन की समस्या को तब तक हल नहीं किया जा सकता है जब तक कि क्षेत्र में सॉल्वेंट इक्स्ट्रैक्शन इकाईया स्थापित न हो जाएँ। उनके इस सुझाव पर पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ गुरविंदर सिंह ने सराहना करते हुए पूर्ण रूप से सहमति प्रदान की और सोयाबीन की नवीन क़िस्मों को बीज शृंखला में सम्मिलित करने का प्रस्ताव पारित किया। दौरे के दूसरे चरण में हरियाणा संस्थान के अपर निदेशक डॉ सूरिंदर सिंह दाहिया ने प्रदेश में भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान द्वारा 20 अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के परीक्षण करवाए जाने पर सहमति दी, साथ ही निदेशक महोदया का आभार व्यक्त करते हुए कहा इससे प्रदेश की उभरती हुई कृषि प्रणाली को सम्बल प्राप्त होगा और सुचारु रूप से किसानों को बेहतर उत्पादों से परिचित करवाया जा सकेगा।

....

ਪੰਜਾਬ ਐਗਰੀਕਲਚਰਲ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ
ਕਿਸਾਨ

ਪੰਜਾਬ ਐਗਰੀਕਲਚਰਲ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ
ਕ੍ਰਿਸ਼ੀ ਵਿਗਿਆਨ ਕੇਂਦਰ, ਬਾਹੋਵਾਲ, ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ
ਖੇਤ ਦਿਵਸ
ਫਸਲ:- ਸੋਇਆਬੀਨ (SL 958)
ਪਿੰਡ:- ਰਾਮਪੁਰ ਸੈਣੀਆਂ
ਮਿਤੀ:- 29-10-2021